हमारी पाठशाला सामुदायिक पाठशाला है

हमारे आस पास जितनी भी शिक्षण संस्थायें काम कर रही हैं उनके संचालन की समस्त जिम्मेदारी या तो सरकार की होती है या निजी संस्था की अथवा किसी एक व्यक्ति की होती है। ये सभी शिक्षा में जैसी समझ रखते हैं उसी अनुसार शिक्षण कार्य करवाते हैं। जहाँ कहीं भी देखो लोग वर्तमान शिक्षा व्यवस्था से परेशान नजर आते हैं। कोई बच्चों की बढ़ती हुई फीस से परेशान है तो कोई विद्यालय में बढ़ती हुई गणवेश की संख्या से। आए दिन बच्चों से तरह– तरह की गतिविधियों के नाम पर पैसा लिया जाता है। आजकल तो विद्यालय अपनी स्वयं की पुस्तकें चलाता है। जो बाजार में कहीं नहीं मिलती है। इसीलिये इन पुस्तकों का मनमाना मूल्य वसूल किया जाता है। यहाँ पर शिक्षण सामग्री, शिक्षण विधा को लेकर वर्ष में एक बार भी बात नहीं होती। इनके द्वारा अपना अलग पाठ्यक्रम चलाने की कोई स्पष्ट वजह भी नहीं बताई जाती है। माता–पिता को मजबूरन इन्हीं मे से किसी एक विद्यालय को अपने बच्चों के लिये चुनना पड़ता है। इस तरह की व्यवस्था में छात्र जो कि

शिक्षा लेने वाला है और अभिभावक जो शिक्षा दिलवाना चाहते हैं, के लिये कोई स्थान नजर नहीं आता है।

सामुदायिक का मतलब सबका और पाठशाला से इसे जोड़े तो सबकी पाठशाला अर्थात एक ऐसी स्कूल जो सबकी हो जिसमें बच्चे, माता–पिता, शिक्षक और स्थानिय समुदाय के लोगों की समान भागीदारी हो। भागीदारी से मतलब स्कूल में शिक्षा किस प्रकार की होगी? यह स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के अभिभावक तय करें कि वे अपने बच्चों के लिये किस प्रकार की शिक्षा दिलवाना चाहते हैं। विद्यालय की गणवेश होगी की नहीं होगी। होगी तो कैसी होगी? विद्यालय को चलाने के लिये कितने धन की आवश्यकता होगी? यह धन फीस के रूप में आयेगा या चन्दे द्वारा एकत्र किया जायेगा। विद्यालय का समय क्या होगा? यह वहाँ की परिस्थितियों और बच्चों की सुविधा के अनुसार तय किया जाये शिक्षक क्या काम करेगा? कैसे करेगा? शिक्षक की योग्यता क्या होगी? उनके चयन की प्रक्रिया क्या होगी? उनका वेतन क्या होगा? भवन कैसा हो? शिक्षण सामग्री कैसी हो और कहाँ से आयेगी? जैसे तमाम मसलों पर समुदाय की भागीदारी हो समुदाय इस पर विचार विमर्श करे। योजना बनाये और उसका क्रियान्वयन करे। इस प्रकार प्रबंधन, संचालन

ग्राम समुदाय का हो। धीरे–धीरे समुदाय स्कूल के लिये वित्तिय प्रबंध भी करने लगे। स्कूल अपने समस्त कार्यों के लिये समुदाय के प्रति जवाब देय हो। विद्यालय के क्रियाकलापो में समुदाय की भागीदार के बिना किसी विद्यालय को सामुदायिक पाठशाला नहीं कहा जा सकता है।

हमारी पाठशाला सामुदायिक पाठशाला है